III

STD

LESSON

पाठ एक

यह है - वह है

यह कलम है।
यह क्या है?
यह कलम है।

कलम

कुरसी

यह कुरसी है।
यह क्या है?
यह कुरसी है।

यह घड़ी है।
यह क्या है?
यह घड़ी है।

घड़ी

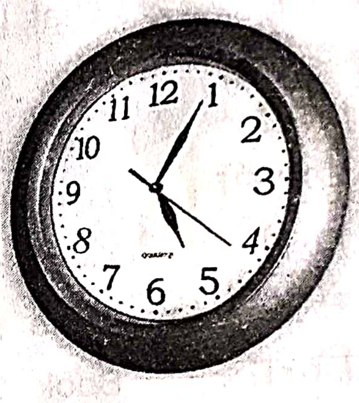

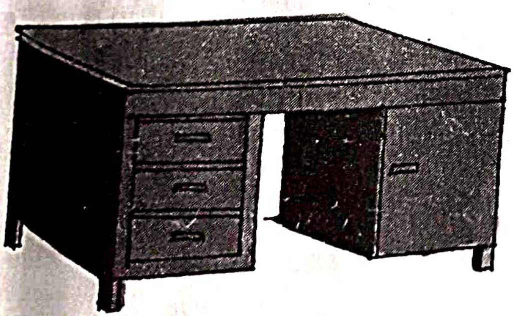

मेज़

वह मेज़ है।
वह क्या है?
वह मेज़ है।
क्या वह मेज़ है?
हाँ, वह मेज़ है।

मेज़ कहाँ है?

मेज़ ज़मीन पर है।

ज़मीन पर मेज़ और कुरसी

कुरसी कहाँ है?

कुरसी ज़मीन पर है।

मेज़ और कुरसी कहाँ हैं?

मेज़ और कुरसी ज़मीन पर हैं।

शब्दार्थ

हाथ	Hand	கை	చేయి	ಕೈ	കൈ
दीवार	Wall	சுவர்	గోడ	ಗೋಡೆ	ചുവര്
में	In	இல், உள்ளே	లో, లోపల	ಒಳಗೆ	ഇൽ
पर	On	மீது, மேல்	పైన, మీద	ಮೇಲೆ	മേലേ
और	And	மேலும், மற்றும்	మరియు	ಮತ್ತು	ഉം
कहाँ	Where	எங்கே	ఎక్కడ	ಎಲ್ಲಿ	എവിടെ
ज़मीन	Floor	தரை	నేల	ನೆಲ	തറ, നിലം
हैं	Are	இருக்கின்றன	ఉన్న	ಇರುತ್ತವೆ	ആകുന്നു

अभ्यास

एक वाक्य में उत्तर लिखिए :-

1. **हाथ में क्या है?**
2. **दीवार पर क्या है?**
3. **मेज़ और कुरसी कहाँ हैं?**

पाठ तीन

यहाँ, वहाँ, हैं

यह लड़का है।
यह कौन है?
यह राजेश है।
क्या यह राजेश है?
हाँ, यह राजेश है।

लड़का

लड़की

वह कौन है?
वह लड़की है।
वह कमला है।
वह लड़की कमला है।
कमला कहाँ है?
कमला मैदान में है।

यह गाय है।
गाय कहाँ है?
गाय यहाँ है।
यहाँ एक गाय है।
गाय मैदान में है।

गाय

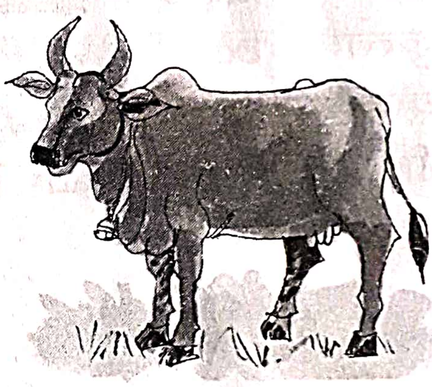

कुत्ता

वहाँ क्या है?
वहाँ एक कुत्ता है।
कुत्ता कहाँ है?
कुत्ता वहाँ है।

यह घोड़ा है।
घोड़ा मैदान में है।
मैदान में गाय भी है।
मैदान में गाय और घोड़ा हैं।

घोड़ा

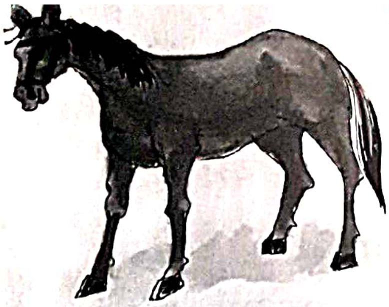

शब्दार्थ

यह	he, she	இவன். இவள், இந்த	ఇతడు, ఈమె	ಇವನು, ಇವಳು	ഇവൻ, ഇവൾ
वह	he, she	அவன், அவள், அந்த	అతడు, ఆమె	ಅವನು, ಅವಳು	അവൻ, അവൾ
लड़का	Boy	சிறுவன்	బాలుడు	ಹುಡುಗ	ആൺകുട്ടി
कौन	Who	யார்	ఎవరు	ಯಾರು	ആര്
लड़की	Girl	சிறுமி	బాలిక	ಹುಡುಗಿ	പെൺകുട്ടി
मैदान	Ground	திடல், மைதானம்	ఆటస్థలము	ಮೈದಾನ	മൈതാനം
गाय	Cow	பசு	ఆవు, గోవు	ಹಸು	പശു
यहाँ	Here	இங்கே	ఇక్కడ	ಇಲ್ಲಿ	ഇവിടെ
वहाँ	There	அங்கே	అక్కడ	ಅಲ್ಲಿ	അവിടെ
कुत्ता	Dog	நாய்	కుక్క	ನಾಯಿ	നായ്
घोड़ा	Horse	குதிரை	గుర్రము	ಕುದುರೆ	കുതിര
भी	Also	கூட	కూడ	ಮತ್ತೂ	കൂടി

अभ्यास

एक वाक्य में उत्तर लिखिए :-

1. कमला कहाँ है?
2. गाय कहाँ है?
3. कुत्ता कहाँ है?

पाठ चार

मैं हूँ, तुम हो, हम हैं, आप हैं, वे हैं

मैं हूँ।
मैं लड़का हूँ।
मैं मोहन हूँ।
मैं यहाँ हूँ।
मैं घर में हूँ।

मैं लड़का हूँ।

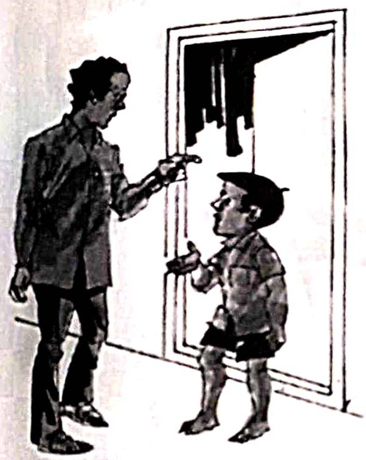

तुम कौन हो?

तुम कौन हो?
मैं लड़का हूँ।
तुम कहाँ हो?
मैं यहाँ हूँ।
क्या तुम गोपाल हो?
नहीं, मैं गोपाल नहीं हूँ।
मैं मोहन हूँ।

आप कौन हैं?
मैं गोपाल हूँ।
क्या आप वकील हैं?
नहीं, मैं वकील नहीं हूँ।
मैं अध्यापक हूँ।

मैं अध्यापक हूँ।

हम लड़के हैं।
हम दो लड़के हैं।
हम रवि और राज हैं।
हम भाई–भाई हैं।
हम विद्यार्थी हैं।

तुम कौन हो?
हम लड़कियाँ हैं।
हम दो लड़कियाँ हैं।
हम विमला और सरला हैं।
हम स्कूल में हैं।

वे कौन हैं?
वे गीता और लता हैं।
गीता कहाँ है?
गीता मैदान में है।
लता कहाँ है?
लता भी मैदान में है।

शब्दार्थ

मैं	I	நான்	నేను	ನಾನು	ഞാൻ
हूँ	Am	இருக்கிறேன்	ఉన్నాను	ಇರುತ್ತೇನೆ	ആകുന്നു
तुम	You	நீ	నీవు	ನೀನು	നീ
हो	Are	இருக்கிறாய்	ఉన్నావు	ಇದ್ದೀರಿ	ആകുന്നു
घर	House	வீடு	ఇల్లు	ಮನೆ	വീട്
आप	You	நீங்கள்,	మీరు,	ನೀವು	നിങ്ങൾ,
		தாங்கள்	తమరు	ತಾವು	താങ്കൾ
नहीं	No, not	இல்லை	లేదు	ಇಲ್ಲ	ഇല്ല
अध्यापक	Teacher	ஆசிரியர்	ఉపాధ్యాయుడు	ಶಿಕ್ಷಕ	അദ്ധ്യാപകൻ
हम	We	நாம், நாங்கள்	మేము, మనము	ನಾವು	ഞങ്ങൾ
लड़के	Boys	சிறுவர்கள்	బాలురు	ಹುಡುಗರು	ആൺകുട്ടികൾ
भाई	Brother	சகோதரன்	సహోదరుడు,	ಸಹೋದರ	സഹോദരൻ
			సోదరుడు	ಸೋದರ	
विद्यार्थी	Student	மாணவன்	విద్యార్థి	ವಿದ್ಯಾರ್ಥಿ	വിദ്യാർഥി
लड़कियाँ	Girls	சிறுமிகள்	బాలికలు	ಹುಡುಗಿಯರು	പെൺകുട്ടികൾ
वे	They	அவர், அவர்கள்	వారు	ಅವರು	അവർകൾ
हैं	Are	இருக்கிறோம்,	ఉన్నాము,	ಇದ್ದೇವೆ,	ആകുന്നു
		இருக்கிறீர்கள்,	ఉన్నారు	ಇದ್ದೀರಿ,	
		இருக்கிறார்கள்,	ఉన్నారు	ಇದ್ದಾರೆ	

अभ्यास

एक वाक्य में उत्तर लिखिए :-

1. तुम कौन हो?
2. आप कौन हैं?
3. क्या आप वकील हैं?

पाठ पाँच

आओ - आइए

गणेश, तुम यहाँ आओ।
तुम अंदर आओ।
तुम बेंच पर बैठो।
तुम हिंदी पढ़ो।
सुधा, तुम भी आओ।
सुधा, तुम भी बैठो।
तुम ज़मीन पर मत बैठो।

पंडितजी, आइए।
आप अंदर आइए।
आप कुरसी पर बैठिए।
आप बेंच पर मत बैठिए।

सुधा, देखो, मेज़ पर क्या है?
मेज़ पर अख़बार है।
अख़बार यहाँ लाओ।
पिताजी, अख़बार लीजिए।

गोपू, तुम शरबत पिओ।
सुरेश, पुस्तक हाथ में लो।
सुधा, तुम पढ़ो और लिखो।
चाचाजी, आप चिट्ठी लिखिए।

पंडितजी, आइए।
आप फल लीजिए।
आप फल खाइए।
यह गरम दूध है।
आप दूध पीजिए।

सुधा देखो, वहाँ कौन है?
वहाँ रवि है।

रवि, पुस्तक लो और पढ़ो।
पंडितजी, आप फल खाइए और दूध पीजिए।
सुधा, बैठो और गीत गाओ।
विमला, बैठो और गीत सुनो।
पंडितजी, आप भी गीत सुनिए।
विमला, अब तुम भी गाओ।

शब्दार्थ

आ	Come	வா	రా, రమ్ము	ಬಾ	വരു
अंदर	Inside	உள்ளே	లో, లోపల	ಒಳಗೆ	അകത്ത്
बैठ	Sit	உட்கார்	కూర్చొనుము	ಕುಳಿತುಕೊ	ഇരിക്കു
पढ़	Read	படி	చదువు	ಓದು	പഠിക്കുക
मत	Don't	கூடாது	వద్దు	ಬೇಡ	പാടില്ല
देख	See	பார்	చూడు	ನೋಡು	നോക്കുക
अख़बार	News Paper	செய்தித்தாள்	వార్తా పత్రిక	ಸಮಾಚಾರ ಪತ್ರಿಕೆ	വാർത്താ പത്രം
ला	Bring	கொண்டுவா	తీసుకొనివచ్చు	ತಾ	കൊണ്ടു വരു
ले	Take	எடு	తీసుకో	ತೆಗೆದುಕೊ	എടുത്തുകൊള്ളു
पी	Drink	குடி	త్రాగు	ಕುಡಿ	കുടിക്കുക
लिख	Write	எழுது	వ్రాయు	ಬರೆಯು	എഴുതുക
चिट्ठी	Letter	கடிதம்	ఉత్తరము	ಪತ್ರ	എഴുത്ത്
फल	Fruit	பழம்	పండు, ఫలము	ಹಣ್ಣು	പഴം
गरम	Hot	சூடான	వేడి	ಬಿಸಿ	ചൂട്
दूध	Milk	பால்	పాలు	ಹಾಲು	പാൽ
खा	Eat	சாப்பிடு	తిను	ತಿನ್ನು	തിന്നുക
गीत	Song	பாட்டு	పాట	ಹಾಡು	പാട്ട്
गा	Sing	பாடு	పాడు	ಹಾಡು	പാടുക
सुन	Hear	கேள்	విను	ಕೇಳು	കേൾക്കുക
अब	Now	இப்பொழுது	ఇప్పుడు	ಈಗ	ഇപ്പോൾ

अभ्यास

एक वाक्य में उत्तर लिखिए :-

1. मेज़ पर क्या है?
2. वहाँ कौन है?
3. दूध कैसा है?

POEM

2. झंडा ऊँचा रहे हमारा

झंडा ऊँचा रहे हमारा
विजयी विश्व तिरंगा प्यारा
झंडा ऊँचा रहे हमारा।।

सदा शक्ति बरसानेवाला;
प्रेम सुधा सर्सानेवाला;
वीरों को हर्षानेवाला।
मातृभूमि का तन-मन सारा
झंडा ऊँचा रहे हमारा।।

इस झंडे के नीचे निर्भय,
हो स्वराज जनता का निश्चय
बोलो, भारत माता की जय!
स्वतंत्रता ही ध्येय हमारा
झंडा ऊँचा रहे हमारा।।

शान न इसकी जाने पावे,
चाहे जान भले ही जावे,
विश्व विजय करके दिखलावे
तब होवे प्रण पूर्ण हमारा।
झंडा ऊँचा रहे हमारा।।

-श्यामलाल गुप्त पार्षद

शब्दार्थ

झंडा	Flag	கொடி	పతాకం	ಧ್ವಜ	കൊടി
तिरंगा	Tri-colour	மூவர்ணம்	మువ్వన్నెలు	ತ್ರಿವರ್ಣ	മുന്നു നിറത്തിലുള്ള
विश्व	Universe	உலகம்	విశ్వం	ವಿಶ್ವ	ലോകം
प्रेम सुधा	Sweet Love	அன்பெனும் அமுதம்	ప్రేమామృతం	ಪ್ರೇಮಸುಧೆ	അനുരാഗം
बरसानेवाला	Shower	பொழியக்கூடிய	కురిపించుటకు	ಮಳೆ ಸುರಿತ	വർഷിക്കുക
मातृभूमि	Motherland	தாய்நாடு	మాతృభూమి	ಮಾತೃಭೂಮಿ	ജന്മഭൂമി
ध्येय	The Goal	இலட்சியம்	ధ్యేయం	ಧ್ಯೇಯ/ಗುರಿ	ലക്ഷ്യം
स्वतंत्रता	Freedom	சுதந்திரம்	స్వాతంత్ర్యం	ಸ್ವಾತಂತ್ರ್ಯ	സ്വാതന്ത്ര്യം
शान	Prestige	கௌரவம்	గొప్ప	ಗೌರವ	ആഡംബരം
जान	Life	உயிர்	ప్రాణము	ಜೀವನ/ಪ್ರಾಣ	ജീവൻ
दिखलाना	To Show	காண்பித்தல்	చూపించటం	ತೋರಿಸುವುದು	കാണിയ്ക്കുക
स्वराज	Independence	சுயராஜ்ஜியம்	స్వరాజ్యము	ಸ್ವಾತಂತ್ರ್ಯ	സ്വാതന്ത്ര്യം

अभ्यास

अपनी प्रांतीय भाषा में भावार्थ लिखिए:-

1. सदा शक्ति ....झंडा ऊँचा रहे हमारा।।
2. शान न इसकी .... झंडा ऊँचा रहे हमारा।।

DOHA

9. दोहे

(कंठस्थ)

1. साधू ऐसा चाहिए, जैसा सूप सुभाय।
   सार सार को गहि रहै, थोथा देइ उड़ाय।।

   (कबीरदास)

2. धीरे-धीरे रे मना, धीरे सब कछु होय।
   माली सींचै सौ घड़ा, ऋतु आए फल होय।।

   (कबीरदास)

PROSE

8. दीया किसने जलाया

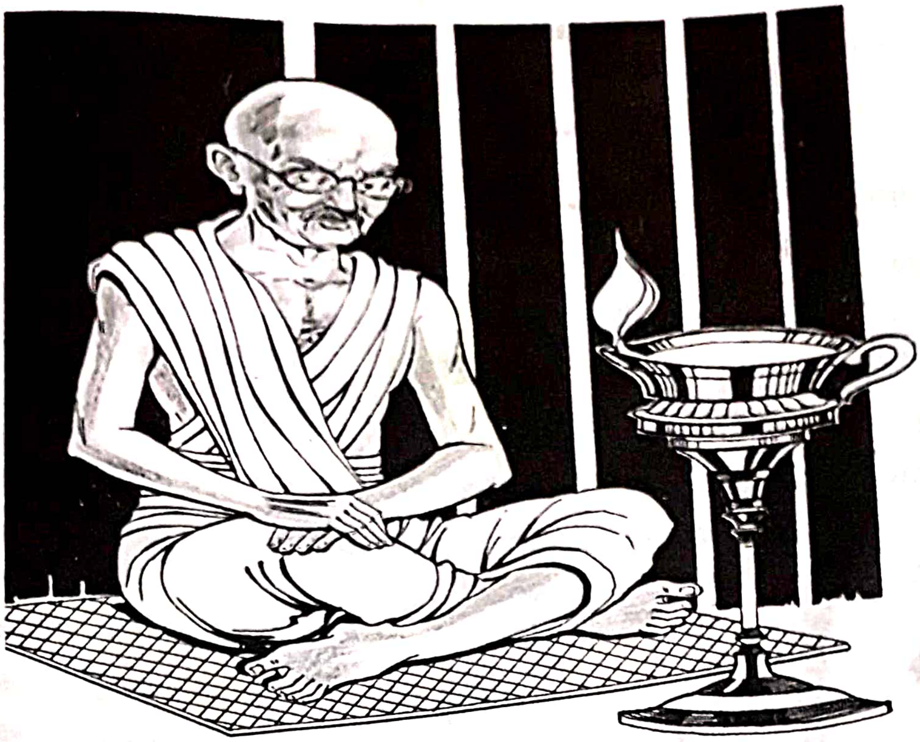

महात्मा गाँधीजी को हम राष्ट्रपिता कहते हैं। उन्होंने सत्याग्रह द्वारा हमारे देश को आज़ादी दिलायी। वे देश की गरीबी पर बहुत चिंतित थे।

एक बार सेवाग्राम में एक घटना घटी। अक्तूबर 2 तारीख थी। सेवाग्राम के लोग गाँधीजी का जन्म-दिवस मनाना चाहते थे। गाँधीजी सादगी प्रिय थे। इसलिए सेवाग्राम के लोगों ने बड़ी सादगी के साथ मनाने का प्रबंध किया था। कहीं भी, न कोई सजावट थी, न कोई फूल माला थी। गाँधीजी जिस जगह बैठते, उसके सामने घी का एक दीया जलाया गया।

गाँधीजी ने यह दीया देखा। उन्होंने पूछा - 'यह किसने जलाया?'

'मैंने' गाँधीजी की पत्नी कस्तूरबा ने कहा। यह सुनकर गाँधीजी ने कहा "आज इस आश्रम में सबसे खराब बात हुई है, तो वह यही है। यह गरीब देश है। यहाँ के गरीब भाई-बहनों को रोटी पर लगाने के लिए तेल तक नहीं मिलता। लेकिन मेरे आश्रम में मेरे जन्म-दिवस पर घी का दीया जलाया जाता है। यह देशवासियों के प्रति बड़ा अन्याय है।"

लोग गाँधीजी की बात समझ गये। उनको बड़ा दुख हुआ। गाँधीजी की यह सीख आज भी अमूल्य है।

शब्दार्थ

आज़ादी	independence	சுதந்திரம்	స్వాతంత్ర్యం	ಸ್ವಾತಂತ್ರ್ಯ	സ്വാതന്ത്ര്യം
गरीबी	poverty	ஏழ்மை	పేదరికం	ಬಡತನ	ദാരിദ്ര്യം
चिंतित	worried	கவலை கொண்ட	భయపడి	ಚಿಂತೆ	വ്യാകുലനായ
घटना	incident	நிகழ்ச்சி	సంఘటన	ಘಟನೆ	സംഭവം
तारीख	date	தேதி	తేదీ	ದಿನಾಂಕ	തിയതി
सादगी	simplicity	எளிமை	సరళత	ಸರಳತೆ	സരളത, നിഷ്കളങ്കത
प्रबंध	arrangement	ஏற்பாடு	అమరిక	ವ್ಯವಸ್ಥೆ	ഏർപ്പാട്
सजावट	decoration	அலங்காரம்	అలంకరణ	ಅಲಂಕಾರ	അലങ്കാരം
खराब	bad	மோசமான	చెడ్డ	ಕೆಟ್ಟದು	ചീത്തയായ
तेल	oil	எண்ணெய்	నూనె	ತೈಲ	എണ്ണ
अन्याय	injustice	அநியாயம்	అన్యాయము	ಅನ್ಯಾಯ	അന്യായം
समझना	to understand	புரிந்துகொள்ளுதல்	అర్థంచేసుకొనుట	ಅರ್ಥಮಾಡಿಕೊಳ್ಳಲು	മനസ്സിലാക്കുക
सीख	moral / lesson	படிப்பினை	గుణపాఠం	ನೈತಿಕತೆ	പാഠം
अमूल्य	precious	விலைமதிப்பற்ற	విలువైన	ಅಮೂಲ್ಯವಾದ	വിലമതിക്കാനാവാത്ത

अभ्यास

प्रांतीय भाषा में अर्थ लिखिए:-

आज़ादी गरीबी घटना खराब सादगी

सजावट अन्याय सीख

विलोम शब्द लिखिए:-

आज़ादी　　गरीबी　　जलाना　　पाप　　दुख

वाक्यों में प्रयोग कीजिए:-

सत्याग्रह　　द्‌वारा　　आज़ादी　　गरीबी　　चिंतित

घटना　　सादगी प्रिय　　प्रबंध करना　　सामने　　पाप

खाली जगहें भरिये:-

1. गाँधीजी ने हमारे देश को .... दिलायी।
2. सेवाग्राम के लोग गाँधीजी का .... मनाना चाहते थे।
3. यह .... देश है।
4. यह देशवासियों के प्रति बड़ा ....है।
5. गाँधीजी की यह सीख आज भी .... है।

प्रश्नों के उत्तर तीन-तीन वाक्यों में लिखिए:-

1. गाँधीजी के बारे में तीन वाक्य लिखिए।
2. सेवाग्राम में गाँधीजी का जन्म दिवस कैसे मनाया गया?
3. गाँधीजी ने क्या देखा और क्या पूछा?
4. गाँधीजी ने किसे अन्याय कहा?
5. गाँधीजी की सीख क्या है?

(केवल ज्ञान विस्तार के लिए)

लिंग पहचानिए:-

देश <u>की</u> <u>गरीबी</u>

न कोई <u>सजावट</u> <u>थी</u>

<u>बड़ा</u> अन्याय

घटना <u>घटी</u>

<u>ऊँची</u> जगह

<u>उनकी</u> यह <u>सीख</u>

<u>बड़ी</u> <u>सादगी</u>

<u>तेल</u> तक नहीं <u>मिलता</u>

STORY

1. कवि और कंजूस

किसी गाँव में गोवर्धन नामक एक आदमी रहता था। वह अच्छा कवि था। लेकिन गरीब था। वह कविता लिखना छोड़कर कुछ नहीं जानता था। परिवार में माँ-बाप थे, पत्नी थी, बच्चे थे। इसलिए वह रोज़ आस-पास के किसी जमींदार या अमीर के घर जाता था और उनका गुणगान करते हुए कविता सुनाता था। वे लोग अपनी तारीफ़ सुनकर गोवर्धन को कुछ-न-कुछ देते थे। बस, इसी से गरीब कवि किसी-न-किसी तरह अपने जीवन का निर्वाह करता था। कभी-कभी उसे खाली हाथ लौटना पड़ता था।

एक दिन गोवर्धन पास के किसी गाँव में गया। वहाँ वह महेंद्र नामक आदमी के घर पहुँचा। महेंद्र धनवान था, लेकिन बड़ा कंजूस था। किसी को भूलकर भी खोटी दमड़ी तक नहीं देता था। गोवर्धन ने महेंद्र को अपना परिचय दिया। उसके बाद उसने इस अर्थ की एक कविता सुनायी कि महेंद्र बड़ा वीर है और दानी भी है। महेंद्र खुश हुआ। उसने नौकर से कहा "कवि को सोने की थाली भेंट करो"।

यह सुनकर गोवर्धन भी खुश हुआ। वह कहने लगा कि महेंद्र के समान बड़ा वीर और दानी आस-पास के गाँवों में कोई नहीं है। यह सुनकर महेंद्र बहुत खुश हुआ। नौकर से कहा "थाली में एक सौ अशरफ़ियाँ भी ले आओ।

गोवर्धन की खुशी का ठिकाना नहीं रहा। लेकिन नौकर अंदर से आया नहीं। थोड़ी देर के बाद गोवर्धन ने महेंद्र से पूछा कि आपका नौकर क्यों नहीं आया। महेंद्र ने कहा कि वह नहीं आएगा।

गोवर्धन का दिल बैठ गया। उसने पूछा कि क्या मुझे सोने की थाली और एक सौ अशर्फ़ियाँ नहीं मिलेंगी? महेंद्र हँसते हुए कहने लगा - तुमने मुझे वीर और दानी कहा। मैं जानता हूँ कि यह झूठ है। मुझे खुश करने के लिए तुम झूठ बोले। उसी तरह तुमको खुश करने के लिए मैं भी झूठ बोला। झूठ की वजह से हम दोनों थोड़ी देर के लिए खुश रहे। बस, अब तुम जा सकते हो। गोवर्धन ने चुपचाप घर की राह ली।

ANSWER

प्रश्नोत्तर भंडार
भाग–1
बोधिनी

1. एक वाक्य में उत्तर लिखिए:-

पाठ - एक

1. यह क्या है? — यह कलम है।
2. वह क्या है? — वह मेज़ है।
3. क्या, वह मेज़ है? — हाँ, वह मेज़ है।

पाठ - दो

1. हाथ में क्या है? — हाथ में कलम है।
2. दीवार पर क्या है? — दीवार पर घड़ी है।
3. मेज़ और कुरसी कहाँ हैं? — मेज़ और कुरसी ज़मीन पर हैं।

पाठ - तीन

1. कमला कहाँ है? — कमला मैदान में है।
2. गाय कहाँ है? — गाय यहाँ है।
3. कुत्ता कहाँ है? — कुत्ता वहाँ है।

पाठ - चार

1. तुम कौन हो? — मैं लड़का हूँ।
2. आप कौन हैं? — मैं गोपाल हूँ।
3. क्या, आप वकील हैं? — नहीं, मैं वकील नहीं हूँ।

पाठ - पाँच

1. मेज़ पर क्या है? — मेज़ पर अख़बार है।
2. वहाँ कौन है? — वहाँ रवि है।
3. दूध कैसा है? — दूध गरम है।

2. शान न इसकी .... झंडा ऊँचा रहे हमारा

These lines are taken from the poem "**झंडा ऊँचा रहे हमारा**" . This poem is written by Shyamlal Gupta Parshad . This is a patriotic song.

Substance: The poet says, let not the pride of our flag go down. We are ready to sacrifice our life to protect the dignity our nation. We will fulfill our pledge by conquering the world. Let our flag fly high.

The poet is ready to sacrifice everything to save the dignity of our country.

இடம்: இப்பாடலின் வரிகள் **'झंडा ऊँचा रहे हमारा'** என்ற செய்யுளிலிருந்து எடுக்கப்பட்டுள்ளன. இதை இயற்றியவர் ஷ்யாம்லால் குப்த் பார்ஷத் என்பவராவார். இச்செய்யுளில் தேசியக்கொடிக்காக நாம் என்னென்ன செய்யவேண்டும் என்றும் கூறுகிறார்.

பொழிப்புரை: நாம் நம்முடைய உயிரை தியாகம் செய்தாவது இதனுடைய கௌரவத்தையும், மாண்பினையும் இழக்காமல் காப்பாற்றவேண்டும் என்றும். இவ்வுலகை வெற்றி கொண்டு நம் சபதத்தை நிறைவேற்றுவோமாக என்றும் பாடியுள்ளார்.

கருத்துரை : பட்டொளி வீசி உயரப் பறக்கும் நம் தேசியக்கொடியின் சிறப்பை கவிஞர் அழகாக வர்ணித்துள்ளார்.

మన ప్రాణం పోయినా సరే ఈ దేశము (భారత దేశము) యొక్క పరువు ప్రతిష్టను కాపాడుదాము. పూర్తి విశ్వంలో విజయం సాధించి చూపిద్దాం. అపుడు మన ప్రతిజ్ఞలు అన్నీ పూర్తిగా సఫలం అయినట్లు భావిద్దాం.

ಪ್ರಾಣ ಹೊದರು ಚಿಂತೆಯಿಲ್ಲ ವಿಶ್ವದ ವಿಜಯಕ್ಕಾಗಿ ಹೋರಾಡಬೇಕು ಎಂದಾಗ, ಮಾತ್ರ ನಮ್ಮ ಪ್ರಾಣಕ್ಕೂ, ನಮ್ಮ ಜೀವನಕ್ಕೂ ಒಂದು ಅರ್ಥ ಸಿಗುತ್ತದೆ. ನಮ್ಮ ಬಾವುಟ ಆಕಾಶದಲ್ಲಿ ಉತ್ಸಾಹದೊಂದಿಗೆ ಹಾರುವುದರ ಜೊತೆಗೆ ಎಲ್ಲರಿಗೂ ಮಾದರಿಯಾಗಿದೆ.

നമ്മുടെ ജീവൻ നഷ്ടപ്പെട്ടാലും ഇതിന്റെ മഹിമ ഒരിക്കലും നഷ്ടപ്പെടാതിരിക്കട്ടെ. പ്രപഞ്ചത്തിൽ എപ്പോഴും വിജയമുണ്ടാക്കി കാണിക്കുക. അപ്പോഴാണ് നമ്മുടെ പ്രതിജ്ഞ പൂർണ്ണമായുള്ളത്. പതാക എപ്പോഴും ഉയരത്തിൽ ഇരിക്കട്ടെ.

पाठ - 8 दीया किसने जलाया

1. गाँधीजी के बारे में तीन वाक्य लिखिए।
   महात्मा गाँधीजी भारत के राष्ट्रपिता हैं। उन्होंने हमें सत्याग्रह द्वारा आज़ादी दिलायी। वे देश की गरीबी को हटाना चाहते थे।
2. सेवाग्राम में गाँधीजी का जन्म दिवस कैसे मनाया गया?
   सेवाग्राम के लोग गाँधीजी की सादगी के बारे में जानते थे। इसलिए उन लोगों ने कहीं सजावट नहीं की। सिर्फ़ घी का एक दीया जलाया।
3. गाँधीजी ने क्या देखा और क्या पूछा?
   गाँधीजी ने देखा कि उनके सामने घी का दीया जल रहा था। उनको यह बिलकुल अच्छा नहीं लगा। उन्होंने पूछा कि घी का यह दीया किसने जलाया?

4. गाँधीजी ने किसे अन्याय कहा?

गाँधीजी देश की गरीबी पर चिंतित थे। रोटी पर लगाने के लिए गरीबों को तेल नहीं मिलता था। इस हालत में घी डालकर दीये जलाना गाँधीजी को अन्याय लगा।

5. गाँधीजी की सीख क्या है?

गरीब लोगों को जो चीज़ नहीं मिलती, हमें उनका उपयोग नहीं करना चाहिए। गरीबी को हटाना हमारा पहला कर्तव्य है। यही गाँधीजी की सीख है।

कहानी

1. कवि और कंजूस

एक गाँव में गोवर्धन नामक एक गरीब कवि अपने परिवार के साथ रहता था।

एक दिन वह महेंद्र नामक धनवान के घर पहुँचा। महेंद्र बड़ा कंजूस था। कवि गोवर्धन ने उसपर झूठी प्रशंसा की कविता सुनायी। इसे सुनकर महेंद्र ने अपने नौकर से गोवर्धन के लिए सोने की थाली और एक सौ अशर्फियाँ ले आने को कहा। मगर नौकर नहीं आया।

गोवर्धन के पूछने पर महेंद्र ने कहा कि आपने मुझे खुश करने के लिए झूठी प्रशंसा की। उसी तरह आपको खुश करने के लिए मैं भी झूठ बोला। गोवर्धन को खाली हाथ घर लौटना पड़ा।

सीखः- कंजूस भूलकर भी दमडी नहीं देता ।

II. अक्षरों में लिखिए:

1	एक	11	ग्यारह	21	इक्कीस	31	इकतीस	41	इकतालीस
2	दो	12	बारह	22	बाईस	32	बत्तीस	42	बयालीस
3	तीन	13	तेरह	23	तेईस	33	तैंतीस	43	तैंतालीस
4	चार	14	चौदह	24	चौबीस	34	चौंतीस	44	चवालीस
5	पाँच	15	पंद्रह	25	पच्चीस	35	पैंतीस	45	पैंतालीस
6	छे	16	सोलह	26	छब्बीस	36	छत्तीस	46	छियालीस
7	सात	17	सत्रह	27	सत्ताईस	37	सैंतीस	47	सैंतालीस
8	आठ	18	अठारह	28	अट्ठाईस	38	अड़तीस	48	अड़तालीस
9	नौ	19	उन्नीस	29	उनतीस	39	उनचालीस	49	उनचास
10	दस	20	बीस	30	तीस	40	चालीस	50	पचास

¼	पाव	1¼	सवा	2¼	सवा दो	3¼	सवा तीन	4¼	सवा चार
½	आधा	1½	डेढ़	2½	ढाई	3½	साढ़े तीन	4½	साढ़े चार
¾	पौन	1¾	पौने दो	2¾	पौने तीन	3¾	पौने चार	4¾	पौने पाँच